Commissioned Officer gets initial outfit allowance of Rs. 1400 to provide himself with uniform and accessories; renewal outfit allowance of Rs. 1200 after 7 years' qualifying service; and kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.

(c) Both JCOs and Commissioned Officers are entitled to travel by 1st class during rail journeys. There is also no difference in their entitlements of mileage allowance.

Grant of Pension to Freedom Fighters

1464. SHRI F. H. MOHSIN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) how many persons have been granted fresh political sufferers pension since April 1977;

(b) in how many cases the pensions have been suspended or cancelled; and

(c) how many applications are still pending?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) 1449.

(b) Pensions have been suspended in 1767 cases and cancelled in 323 cases.

(c) No application is pending initial scrutiny.

Andaman and Nicobar Island Shipping Services

1465 SHRI D. AMAT: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government propose to set up a committee to go into the various problems connected with the Andaman and Nicobar Island Shipping Services; and

(b) if so, what are the main features of the proposal?

THE MINISTER OF STATE INCHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): (a) Yes, Sir.

(b) The Committee will examine various problems connected with Shipping Services to Andaman and Nicobar Islands, including quotas now being fixed for various categories of users. It will comprise of representatives of the Ministries of Shipping and Transport and Home Affairs, two members of the Home Minister's Advisory Committee for Andaman and Nicobar Islands, a representative of the Chief Commissioner, Andaman and Nicobar Islands and a representative of Shipping Corporation of India Limited.

Censorship Certificate to 'God Fathers' Kung Fu Family'

1466. DR. RAMJI SINGH: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether the film 'God Fathers' Kung-fu Family' is certified for exhibition in India;

(b) was it seized by the Police;

(c) has it led to some sensational disclosures; and

(d) if so, what are they and steps Government taken?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) No, Sir.

(b) to (d). Information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha in due course.

आकाशवाणी, छतरपुर के इंजीनियरिंग असिस्टेंट द्वारा आत्म हत्या

1467. श्री मृत्युंजय प्रसाद : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री 3 मई, 1978 के अतारांकित प्रश्न संख्या 8933 के

उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उस मामले में विभागीय जांच पूरी हो गयी है और यदि हां, तो उसके फलस्वरूप क्या तथ्य प्रकाश में आये और उन पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ख) क्या मृत इंजीनियरिंग असिस्टेंट श्री आर० सी० अग्रवाल की विधवा तथा बच्चों की जीविका के लिए कोई प्रबन्ध किए गए हैं और इस बारे में पूर्ण ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) विभागीय कार्रवाई चालू है ।

(ख) केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी बीमा योजना, ग्रेच्युटी, सामान्य भविष्य निधि, अवकाशवेतन और अतिरिक्त महंगाई भत्ता जमा की बाबत देय राशियां का जो कुल मिलाकर लगभग 16,000/- रुपए है, उनको भुगतान करने के अलावा, स्वर्गीय श्री आर० सी० अग्रवाल, इंजीनियरी सहायक की विधवा पत्नी और उनके बच्चों की जीविका के लिए निम्न-लिखित व्यवस्था की गई है :—

(1) उनकी विधवा पत्नी श्रीमती आशा अग्रवाल को, कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से भर्ती की सामान्य प्रक्रिया को शिथिल करके, 23 मार्च, 1978 से आकाशवाणी, जबलपुर में क्लर्क ग्रेड-2 के रूप में नियुक्त किया गया है । इस से उन को लगभग 400 रुपए प्रतिमास की नियमित आय होती है ।

(2) जैसा कि नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य है, उन्हें 7 वर्ष की अवधि के लिए 200/- रुपए प्रतिमास तथा उस के बाद 100/- रुपए प्रतिमास की परिवार पेंशन मंजूर की गई है ।

(3) उन के बच्चों की शिक्षा के लिए भारत सरकार के अनुकंपा कोष से उन्हें 1 मार्च, 1978 से 5 वर्ष की अवधि के लिए 100/- रुपए प्रतिमास का आवर्ती अनुदान मंजूर किया गया है।

हिन्दी टंकण और आशुलिपि की पुस्तकें

1468. **श्री मदन तिवारी** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लाखों रूपये व्यय कर के तैयार की गई हिन्दी टंकण और आशुलिपि की पुस्तकें लम्बे अर्से से प्रेस में प्रकाशनार्थ पड़ी हुई हैं ; और

(ख) यदि हां, तो उक्त पुस्तकें कब से प्रेस में प्रकाशनार्थ पड़ी हुई हैं तथा इसके लिये कौन जिम्मेदार है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक लाल मण्डल) : (क) और (ख). हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत चल रहीं हिन्दी टाइपिंग और आशुलिपि प्रशिक्षण के लिए "मानक आशुलिपि" की प्रतियां अभी उपलब्ध हैं। 'हिन्दी (देव-नागरी) टाइपराइटिंग प्रशिक्षक' नाम की पुस्तक की छपाई के आदेश नवम्बर, 1976 में दिये गये थे और भारत सरकार के शिमला स्थित प्रेस से पता लगा है कि यह शीघ्र ही छप जाएगी। इन पुस्तकों की पाण्डुलिपि के निर्माण में भारत सरकार ने कोई विशेष व्यय नहीं किया है, क्योंकि ये विभागीय व्यवस्था के अंतर्गत ही तैयार की गई हैं ।